दैनिक न्याय साक्षी

अधिकार से न्याय तक

SJU Govt. Registered Social Justice Union

आवश्यक सूचना

आप सभी को सूचित करते हर्ष हो रहा है, कि न्यायसाक्षी अधिकार से न्याय तक का सर्वे का कार्य तेजी से चल रहा है, जल्द ही सर्वे की टीम आपके घर विजिट करेगी, कृपया अपनी प्रति सुरक्षित कराएं।

RNI NO - CHHHIN/2018/76480 | Postal Registration No-055/Raigarh DN CG | रायगढ़, शुक्रवार 11 नवंबर 2022 | पृष्ठ-4, मूल्य 3 रुपए | वर्ष-05, अंक- 44

ईसाई और इस्लाम में परिवर्तित दलितों को एससी का दर्जा नहीं दिया जा सकता : केंद्र सरकार

नई दिल्ली (आरएनएस)। केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट से कहा है कि ईसाई और इस्लाम धर्म अपनाने वाले दलितों को अनुसूचित जाति का दर्जा देने की मांग वाली याचिका की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए, क्योंकि वे छुआछूत से पीड़ित नहीं थे। शीर्ष अदालत ने 30 अगस्त को केंद्र से इस मामले में दलित ईसाइयों और अन्य की राष्ट्रीय परिषद द्वारा दायर याचिकाओं पर अपना रुख स्पष्ट करने को कहा था। केंद्र सरकार ने एक लिखित जवाब में कहा, संविधान (अनुसूचित जाति) आदेश, 1950 ऐतिहासिक आंकड़ों पर आधारित था, जिसने स्पष्ट रूप से स्थापित किया कि ईसाई या इस्लामी समाज के सदस्यों को कभी भी इस तरह के पिछड़ेपन या उत्पीडऩ का सामना नहीं करना पड़ा।

इसमें कहा गया है कि जिन कारणों से अनुसूचित जाति के लोग इस्लाम या ईसाई धर्म में धर्मातरण कर रहे हैं, उनमें से एक अस्पृश्यता की दमनकारी व्यवस्था से बाहर आना है, एक सामाजिक कलंक, जो इनमें से किसी भी धर्म में प्रचलित नहीं है। ईसाई या इस्लाम धर्म अपनाने वाले दलितों को आरक्षण का लाभ देने का निर्देश देने की मांग वाली याचिकाओं के एक समूह पर केंद्र की प्रतिक्रिया आई। केंद्र सरकार ने कहा कि अनुसूचित जाति की स्थिति की पहचान एक विशिष्ट सामाजिक कलंक और जुड़े पिछड़ेपन के आसपास केंद्रित है जो संविधान (अनुसूचित जाति) आदेश, 1950 के तहत मान्यता प्राप्त समुदायों तक सीमित है।

इसने तर्क दिया कि गंभीर अन्याय होगा और कानून की प्रक्रिया का दुरुपयोग होगा, जिसके परिणामस्वरूप अनुसूचित जाति समूहों के अधिकार प्रभावित होंगे, यदि सभी धर्मान्तरित लोगों को सामाजिक विकलांगता के पहलू की जांच किए बिना मनमाने ढंग से आरक्षण का लाभ दिया जाता है।

केंद्र सरकार ने अक्टूबर में भारत के पूर्व मुख्य न्यायाधीश के.जी. बालकृष्णन ने अन्य धर्मों में परिवर्तित होने वाले दलितों को अनुसूचित जाति का दर्जा देने के दावों की जांच करने के लिए कहा। सरकार ने बताया कि अनुसूचित जातियों ने कुछ जन्मजात सामाजिक-राजनीतिक अनिवार्यताओं के कारण 1956 में डॉ. बी.आर. अंबेडकर के आह्वान पर स्वत: बौद्ध धर्म अपना लिया था। इस तरह के धर्मातरित लोगों की मूल जाति/ समुदाय स्पष्ट रूप से निर्धारित किया जा सकता है। यह ईसाइयों और मुसलमानों के संबंध में नहीं कहा जा सकता है, जो अन्य कारकों के कारण धर्मातरित हो सकते हैं, क्योंकि इस तरह के धर्मातरण की प्रक्रिया सदियों से चली आ रही है।

केंद्र ने सभी धर्मो में दलितों को अनुसूचित जाति का दर्जा देने के पक्ष में जस्टिस रंगनाथ मिश्रा आयोग की 2007 की रिपोर्ट को भी त्रुटिपूर्ण करार दिया और बताया कि इसे बिना किसी क्षेत्र अध्ययन के तैयार किया गया था।

अनुसूचित जाति समुदाय के सदस्य के रूप में नौकरियों और शिक्षा में आरक्षण का संवैधानिक अधिकार 1950 के आदेश के अनुसार केवल हिंदू, सिख या बौद्ध धर्म के लोगों को दिया गया है।

सुप्रीम कोर्ट ज्ञानवापी विवाद पर आज करेगा सुनवाई

नई दिल्ली (आरएनएस)। उच्चतम न्यायालय ने कहा कि वाराणसी के ज्ञानवापी मस्जिद में 'शिवलिंग' होने के दावे के बाद उस क्षेत्र की सुरक्षा से संबंधित अंतरिम आदेश बढ़ाने के मामले पर शुक्रवार को सुनवाई करेगा। मुख्य न्यायाधीश डी. वाई. चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ ने 'विशेष उल्लेख' के दौरान अधिवक्ता विष्णु शंकर जैन की गुहार स्वीकार करते हुए कहा कि इस मामले में शुक्रवार अपराह्न तीन बजे सुनवाई करेगी। पीठ के समक्ष अधिवक्ता श्री जैन ने संबंधित क्षेत्र की सुरक्षा संबंधी अंतरिम आदेश के 12 नवंबर को समाप्त होने की जानकारी का उल्लेख करते हुए इसे आगे बढ़ाने की अर्जी पर सुनवाई करने की गुहार लगाई। मुख्य न्यायाधीश चंद्रचूड़ ने कहा, हमें एक पीठ का गठन करना होगा। हम कल दोपहर 3 बजे सुनवाई के लिए एक पीठ गठित करेंगे। शीर्ष अदालत ने उत्तर प्रदेश के वाराणसी में ज्ञानवापी मस्जिद परिसर में 'शिवलिंग' मिलने के दावे के बाद संबंधित पक्षों की याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए 17 मई को उस विवादित क्षेत्र की सुरक्षा सुनिश्चित करने का अंतरिम आदेश पारित किया था, जिसकी अवधि शुक्रवार को समाप्त होने वाली है।

महत्वपूर्ण एवं खास

छोटी सी गलती पड़ी भारी, एक्सपायरी दवा खाने से गई दो की जान

धारीवाल (आरएनएस)। थाना धारीवाल के अंतर्गत आते गांव सिधवां के रहने वाले एक महिला और एक नौजवान ने घर में पड़ी एक्सपायरी डेट की दवाई खा ली जिससे उनकी मौत हो गई। जानकारी के अनुसार जयदीप पुत्र गरीफन मसीह निवासी सिधवां द्वारा गलत से घर में पड़ी दवाई खा ली। इससे उसकी मौत हो गई। सूचना मिलने पर ए.एस.आई. गुरविन्द्रपाल सिंह ने मौके पर पहुंचकर कानूनी कार्रवाई करते हुए शव को पोस्टमार्टम हेतु अस्पताल में भेज दिया है। इसी तरह गांव सिधवां की ही रहने वाली मनदीप कौर पत्नी संदीप सिंह द्वारा भी घर में पड़ी पुरानी दवाई गलती से खा लेने से उसकी मौत हो गई। सूचना मिलने पर ए.एस. आई. गुरविन्द्रपाल सिंह ने मौके पर पहुंचकर कानूनी कार्रवाई करते हुए शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल में भेज दिया है।

सूरी की हत्या पर लड्डू बांटने वाले को लेकर हुए चौंकाने वाले खुलासे

अमृतसर (आरएनएस)। हिन्दू नेता सुधीर सूरी के कत्ल के बाद लड्डू बांटने वाले व्यक्ति कुलविंदर सिंह उर्फ गोलू को लेकर एक बड़ा खुलासा हुआ है। मिली जानकारी के अनुसार गोलू खुद एक क्रिमिनल है। पुलिस को उसके बारे काफी जानकारी मिली है। इतना ही नहीं आतंकी गतिविधियों में शामिल गोलू की पत्नी अमृतपाल कौर 2017 से जेल में बंद है। सुधीर सूरी की मौत के बाद लुधियाना बस अड्डे से लड्डू बांटने की वीडियो वायरल होने पर उक्त व्यक्ति गोलू पुलिस की नजरों में आया। पुलिस ने जब उसके बारे जांच की तो पता चला कि वह सुक्खा बाड़ेवालिया गैंग का सदस्य है। उसके खिलाफ लुधियाना में अवैध हथियार और नकोदर में डाका मारने की योजना अब तीसरा मामला दर्ज हो गया है।

ग्वालियर-चंबल में पुलिस के लिए सिरदर्द बना डकैत गुड्डा गिरफ्तार

ग्वालियर/मुरैना (आरएनएस)। मध्यप्रदेश के ग्वालियर-चंबल इलाके मे पुलिस के लिए सिरदर्द बने डकैत गुड्डा गुर्जर को पुलिस ने बीती रात मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की। मुठभेड़ के दौरान गुड्डा के पैर में गोली लगी है। गुड्डा ग्वालियर-चंबल इलाके की पुलिस के लिए चुनौती बन गया था और लगातार उसके अपराध बढ़ते जा रहे थे। बीते दिनों मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने भी इस डकैत के सफाए के लिए अधिकारियों को निर्देश दिए थे, उसी के चलते मुरैना और ग्वालियर की सीमा पर चौकसी बढ़ा दी गई थी। गुड्डा गिरोह के भंवर पुरा घाटीगांव की सीमा पर सक्रिय होने की सूचना मिली थी। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक(अपराध)राजेश दंडोतिया ने अपने साथियों के साथ गुड्डा की घेराबंदी की। दोनों ओर से लगभग दो घंटे तक फायरिंग होती रही। इस दौरान गुड्डा के पैर में गोली लग गई और वह पुलिस की पकड़ में आ गया। पुलिस उसके साथियों की तलाश में जुटी है। गुड्डा ग्वालियर चंबल इलाके के जंगल में दो दशक से ज्यादा समय से सक्रिय था। उस पर हत्या के तीन, हत्या के प्रयास के पांच सहित लगभग दो दर्जन डकैती और अपहरण के मामले दर्ज हैं।

हाथ दर्द का इलाज यूट्यूब पर देखना पड़ा महंगा, जंगली लौकी का जूस पीने से मौत

इंदौर (आरएनएस)। मध्यप्रदेश के इंदौर में एक व्यक्ति को यूट्यूब वीडियो देख हाथ दर्द का इलाज करना खासा महंगा पड़ गया। जंगली लौकी का जूस पीने से उसकी मौत हो गई। इंदौर में स्वर्णबाग कालोनी में रहने वाला धर्मेंद्र करोले को कुछ दिन पहले हाथ में चोट लगी थी। वह दर्द से परेशान था। उसने यूट्यूब पर इलाज सर्च कर एक वीडियो देखा। इसमें जंगली लौकी का जूस पीने से दर्द से आराम की बात कही गई थी। इस पर धर्मेंद्र ने जंगली लौकी का जूस पी लिया। इसके बाद उसे उल्टी-दस्त होने लगे। तबीयत बिगडऩे पर उसे अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। हालांकि लोग अकसर गूगल और यू ट्यूब पर सर्च कर वीडियो देखते हैं और बिना तथ्यों को जाने इस पर अमल शुरू कर देते हैं। इस तरह की गलती जानलेवा साबित हो सकती है। स्वास्थ्य जगत से जुड़े लोग अकसर लोगों से डॉक्टरों को दिखाकर, उनसे सलाह लेकर ही दवाई लेने की अपील करते हैं।

जैकलीन फर्नांडीज की मुश्किलें बढ़ीं, कोर्ट ने ईडी से पूछा, सबूत हैं तो एक्ट्रेस को गिरफ्तार क्यों नहीं किया

मुंबई (आरएनएस)। 200 करोड़ के मनी लॉन्ड्रिंग केस में आज बॉलीवुड एक्ट्रेस जैकलीन फर्नांडीज की नियमित जमानत याचिका पर आज पटियाला हाउस कोर्ट में सुनवाई हुई। याचिका पर 11 नवंबर को फैसला आएगा। आज सुनवाई के दौरान ईडी ने कहा कि जैकलीन के खिलाफ पर्याप्त सबूत हैं, इसलिए उन्हें नियमित जमानत न दी जाए। कोर्ट ने श्वष्ठ से पूछा कि अगर सबूत हैं तो आपने जैकलीन को अब तक अरेस्ट क्यों नहीं किया? सुनवाई के वक्त पटियाला हाउस कोर्ट में जैकलीन के साथ पिंकी ईरानी भी मौजूद थीं।

पिंकी पर सुकेश से पैसा लेकर जैकलीन तक पहुंचाने का आरोप है। सुनवाई के दौरान जैकलीन ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) पर उनको परेशान करने का आरोप लगाया है। ईडी ने अभिनेत्री की तरफ से दायर जमानत याचिका का विरोध करते हुए कहा कि उन्होंने देश से भागने की कोशिश की और जांच में सहयोग नहीं किया। एजेंसी ने अदालत में कहा कि जैकलीन फर्नांडीज आसानी से देश से भाग सकती हैं, क्योंकि उनके पास पैसे की कमी नहीं है।

16 भारतीयों की वतन वापसी को लेकर निकाला पैदल मार्च

नाइजीरिया में फंसे कानपुर के बेटे ने मांगी मदद

कानपुर (आरएनएस)। नाइजीरिया में फंसे 16 भारतीयों की मुश्किलें और बढ़ गई हैं। भारत सरकार से कोई खास मदद उन्हें नहीं मिल पा रही है। बुधवार रात को नाइजीरिया में फंसे कानपुर के रोशन अरोड़ा ने एक और वीडियो अपने परिजनों को भेजा है। जिसमें वह अन्य भारतीयों के साथ मदद की गुहार लगा रहा है।

रोशन अरोड़ा समेत 16 भारतीयों की वतन वापसी को लेकर गुरुवार को कानपुर में परिजनों समेत अन्य लोगों ने पैदल मार्च निकाला। नटराज सिनेमा चौराहा से चावला मार्केट चौराहा तक लोगों ने पैदल मार्च निकाला। लोगों ने आवाज उठाई कि सरकार को इस मामले में दखल देना चाहिए। नाइजीरिया में बंधक सभी भारतीयों की वतन वापसी को लेकर लोगों ने आवाज उठाई कि सरकार जल्द से जल्द सभी को वतन वापस लेकर आए। पिता मनोज अरोड़ा, बहन कोमल और मां का रो-रोकर बुरा हाल है।

कानपुर गोविंद नगर निवासी के रहने वाले मर्चेंट नेवी कर्मी रोशन ने अपने पिता मनोज को रात करीब 8 बजे 2 वीडियो भेजे। जिसमें रोशन के साथ 16 भारतीय कह रहे हैं कि प्लीज बचा लीजिए, हाथ जोड़ रहे हैं, हमें नहीं पता हम लोग अब फैमिली से कब मिल पाएंगे। नाइजीरियन नेवी हम लोगों को खींचकर यहां से ले जाएगी। मोबाइल भी ले लिए जाएंगे।

पीएम मोदी से लगातार लगा रहे हैं गुहार- शिप में मौजूद थर्ड ऑफिसर रोशन अरोड़ा के साथ सभी 16 भारतीय इंडियन फ्लैग के साथ पीएम नरेंद्र मोदी से बचाने की गुहार लगा रहे हैं। पिता मनोज के मुताबिक सरकार अपने भारतीयों को बचाने के लिए कोई ठोस कार्रवाई अभी तक नहीं कर सकी है। उन्हें जल्द एक्शन लेना होगा।

कर्ज तले दबा परिवार नहीं झेल पाया प्रताडऩा, मजार पर जाकर खा लिया जहर- 5 की मौत

नवादा (आरएनएस)। बिहार के नवादा से सामूहिक आत्महत्या का सनसनीखेज मामला सामने आया है। आदर्श सोसायटी में एक ही परिवार के 6 लोगों ने जहर खा लिया, जिनमें से 5 लोगों की मौत हो गई। एक लडक़ी की हालत गंभीर है। मरने वालों में से घर के मुखिया केदार लाल गुप्ता, पत्नी अनिता कुमारी और तीन बच्चे प्रिंस कुमार, शबनम कुमारी और गुडिय़ा कुमारी शामिल हैं, जबकि एक बेटी साक्षी की हालत गंभीर बनी हुई है। उसे पहले पावापुरी विंस रेफर किया गया था, लेकिन फिर नवादा जिला अस्पताल भेज दिया गया है। वहां भी हालत गंभीर देखते हुए साक्षी को अब पटना रेफर किया गया है। बताया जा रहा है कि

परिवार कर्ज में डूबा था और वसूली की प्रताडऩा से परेशान होकर जहर खा लिया। पुलिस मामले की जांच कर रही है। केदार लाल गुप्ता शहर के विजय बाजार में फल का दुकान चलाते थे और उन पर काफी कर्ज था। कर्ज को लेकर उन्हें काफी प्रताड़ित किया जा रहा था, जिससे तंग आकर शहर की एक मजार के पास जाकर सभी ने जहर खा लिया। मौके पर ही परिवार के पांच सदस्यों की मौत हो गई। जहर खाने की सूचना मिलते ही मौके पर पुलिस पहुंच गई थी। इस दौरान परिवार के मुखिया केदार लाल गुप्ता की हालत थोड़ी सही थी। उनसे जब पूछा गया कि जहर क्यों खाया तो केदार लाल गुप्ता ने कहा कि परिवार पर 10-12 लाख रुपये का कर्ज था, इसलिए परिवार ने जहर खा लिया जिसके बाद केदार लाल गुप्ता को अस्पताल ले जाया गया जहां उनकी मौत हो गई।

आबकारी घोटाले में ईडी ने दो व्यापारियों को किया गिरफ्तार

नई दिल्ली (आरएनएस)। दिल्ली आबकारी नीति घोटाले के सिलसिले में एक ताजा घटनाक्रम में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने गुरुवार को दो और लोगों को गिरफ्तार किया। सूत्रों के अनुसार दक्षिण भारत के दो व्यवसायियों शरत रेड्डी के. और बिनॉय बाबू को गिरफ्तार किया गया। दोनों को राउज एवेन्यू कोर्ट में पेश किया जाएगा। ईडी उनकी कस्टडी रिमांड की मांग करेगी। सूत्रों ने दावा किया है कि बाबू और रेड्डी ने घोटाले में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। इससे पहले दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया के करीबी सहयोगी दिनेश अरोड़ा ने कहा था कि वह इस मामले में सरकारी गवाह बनना चाहते हैं। इस मामले में अब तक चार गिरफ्तारियां हो चुकी हैं। सूत्र ने कहा, रेड्डी अरविंदो फार्मा फर्म चलाते हैं जबकि बाबू पर्नोड रिकार्ड फर्म चलाते हैं। वे तेलंगाना और आंध्र प्रदेश के कारोबारी हैं। सीबीआई ने मामले में अपनी प्राथमिकी में सिसोदिया को आरोपी नंबर वन बनाया है। सिसोदिया पर आरोप है कि शराब कारोबारियों को कथित तौर पर 30 करोड़ रुपये की छूट और लाइसेंस धारकों को कथित तौर पर उनकी इच्छा के अनुसार विस्तार दिया गया था।

पिता लालू प्रसाद को किडनी दान करेंगी बेटी रोहिणी आचार्य

पटना (आरएनएस)। लालू प्रसाद की दूसरी बेटी रोहिणी आचार्य कई स्वास्थ्य जटिलताओं से जूझ रहे अपने बीमार पिता को एक किडनी दान करेंगी। ट्विटर पर काफी सक्रिय और नरेंद्र मोदी सरकार की आलोचना करने वाली रोहिणी आचार्य अपने पति और बच्चों के साथ सिंगापुर में रहती हैं।

हाल ही में, लालू प्रसाद सिंगापुर गए थे, जहां डॉक्टरों ने उनके कई परीक्षण किए। उनके साथ, रोहिणी ने भी डोनर के रूप में परीक्षण किया और डॉक्टरों ने प्रत्यारोपण के लिए अपनी मंजूरी दे दी।

सूत्रों के अनुसार, राजद नेता गुर्दा प्रत्यारोपण के लिए तैयार नहीं थे, लेकिन रोहिणी ने परिवार के अन्य सदस्यों के साथ मिलकर उन्हें इसके लिए मना लिया। जाहिर तौर पर लालू यादव की किडनी को 75 फीसदी नुकसान पहुंचा है और उनका दिल्ली के एम्स में इलाज चल रहा है। हालांकि यहां के डॉक्टरों ने किडनी ट्रांसप्लांट की अनुमति से इनकार कर दिया, लेकिन सिंगापुर के उनके समकक्षों ने आगे बढऩे की अनुमति दे दी। ट्रांसप्लांट 24 नवंबर को होने की उम्मीद है।

विधानसभा चुनाव : चुनाव प्रचार थमा, आज सुबह 8 से शाम 5 बजे तक होगी वोटिंग

शिमला (आरएनएस)। हिमाचल प्रदेश में विधानसभा चुनावों के लिए 12 नवम्बर यानि शनिवार को मतदान होगा। वोट सुबह 8 से शाम 5 बजे तक डाले जाएंगे। वहीं चुनावों के लिए वीरवार को चुनाव प्रचार थम गया है। राज्य में 12 नवम्बर को होने वाले मतदान में 5592828 मतदाता चुनावी मैदान में उतरे 412 प्रत्याशियों के भाग्य का फैसला करेंगे। कुल 5592828 मतदाताओं में से 67559 सेवा मतदाता, 22 प्रवासी भारतीय मतदाता, 5525247 आम मतदाता तथा 38 थर्ड जैंडर मतदाता शामिल हैं। राज्य में पुरुष मतदाताओं की अपेक्षा महिला मतदाताओं की संख्या अधिक है। राज्य में 2737845 महिलाएं, 2854945 पुरुष तथा 38 थर्ड जैंडर मतदाता हैं। वहीं राज्य में हालांकि चुनाव आयोग ने सभी मतदाताओं को फोटो पहचान पत्र जारी किए हैं लेकिन फिर भी यदि किसी मतदाता के पास फोटो पहचान पत्र नहीं है तो वह 12 वैकल्पिक फोटो पहचान पत्र दिखाकर मतदान कर सकेगा। उधर, राज्य में इस बार विधानसभा चुनावों में भाजपा-कांग्रेस को आम आदमी पार्टी चुनौती दे रही है। इस कारण अधिकांश स्थानों पर तिकोना तो कहीं बहुकोणीय मुकाबला होगा।

हिमाचल में विधानसभा चुनावों के तहत 7881 मतदान केंद्र स्थापित किए गए हैं। इसमें 7235 ग्रामीण और 646 शहरी क्षेत्रों में हैं। इसके अलावा 3 सहायक मतदान केंद्र सिद्धबाड़ी, बड़ा भंगाल तथा ढिल्लों में बनाए गए हैं। राज्य में 157 मतदान केंद्र पूरी तरह से महिला कर्मियों द्वारा संचालित किए जाएंगे। यानि इसमें मतदान करवाने से लेकर सुरक्षा का पूरा जिम्मा महिला कर्मचारी व जवान संभालेंगे।

हिमाचल में शनिवार को सार्वजनिक अवकाश- विधानसभा चुनावों में मतदान के लिए शनिवार 12 नवम्बर को मतदान वाले दिन राज्य में सार्वजनिक अवकाश रहेगा। इसके तहत सरकारी कार्यालयों, बोर्डों, निगमों, शैक्षणिक संस्थानों और औद्योगिक परिसरों में कार्यरत कर्मचारियों को सार्वजनिक अवकाश रहेगा, ताकि वे अपने मताधिकार का प्रयोग कर सकें। इसके अलावा दैनिकभोगी कर्मचारियों के लिए भी यह सवैतनिक अवकाश होगा, जो नैगोशिएबल इंस्ट्रूमैंट्स एक्ट, 1881 की धारा 25 के अंतर्गत देय होगा। राज्य के विभिन्न स्थानों में कार्यरत कर्मचारियों को इस दिन विशेष आकस्मिक अवकाश देय होगा, ताकि वे अपने विधानसभा क्षेत्र, स्थान पर जाकर मतदान कर सकें। इसके लिए उन्हें पीठासीन अधिकारी से मतदान से संबंधित निर्दिष्ट प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना होगा।

सीमाओं पर चौकसी बढ़ाई- चुनावों के दृष्टिगत प्रदेश की सीमाओं पर चौकसी को बढ़ा दिया गया है। चप्पे-चप्पे पर पुलिस बल तैनात किया गया है ताकि चुनावों को प्रभावित करने के लिए कोई असामाजिक तत्व प्रदेश में प्रवेश न करें और चुनावों को पारदर्शी तरीके से संपन्न किया जा सके।

राज्य में शराब की दुकानें रहेंगी बंद- हिमाचल प्रदेश में आज व कल यानि 11 व 12 नवम्बर को ड्राई डे घोषित किया गया है। ऐसे में चुनाव समाप्त होने तक राज्य में सभी शराब की दुकानें बंद रखने के आदेश जारी किए गए हैं।

सीआरपीएफ की 67 कंपनियां तैनात- हिमाचल विधानसभा चुनावों के लिए सीआरपीएफ की 67 कंपनियां तैनात की गई हैं। इन जवानों की राज्य के सीमावर्ती क्षेत्रों सहित संवेदनशील तथा अतिसंवेदनशील मतदान केंद्रों पर तैनाती की गई है। अतिरिक्त मुख्य चुनाव अधिकारी दलीप नेगी ने कहा कि चुनावों को निष्पक्ष व पारदर्शी करवाने के लिए पूरी तैयारी कर दी गई है। राज्य में चुनावों को करवाने के लिए हिमाचल पुलिस के 11880 जवान तथा होमगार्ड के 8381 जवानों को तैनात किया गया है। इसके अलावा राज्य में चुनाव करवाने के लिए 31536 कर्मचारियों की तैनाती विभिन्न मतदान केंद्रों पर की गई है।